भारत सरकार

शक्षा मंत्रालय

उच्चतर शक्षा वभाग

लोक सभा

अतारां कत प्रश्न संख्या-1211

उत्तर देने की तारीख-08/12/2025

नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च

†1211. श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:

श्री र वन्द्र दत्ताराम वायकर:

श्री नरेश गणपत म्हस्के:

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शंदे:

श्रीमती भारती पारधी:

क्या शक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क:

(क) बिगत तीन वर्षों के दौरान देश भर के आईआईटी, एनआईटी और अन्य उच्चतर शक्षा संस्थानों में शुरू कए गए एयरोस्पेस से संबं धत नए पाठ्यक्रमों, वभागों अथवा उत्कृष्टता केन्द्रों का स्थान-वार और वर्ष-बार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास देश में एक सम र्पत नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च की स्थापना करने का कोई प्रस्ताव वचाराधीन है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) वगत तीन शैक्ष णक वर्षों के दौरान आईआईटी और अन्य तकनीकी संस्थानों में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग और संबद्ध कार्यक्रमों में नामां कत छात्रों की संस्था-वार संख्या कतनी है;

(घ) सरकार द्वारा इसरो, डीआरडीओ, एचएएल और निजी उद्योग के सहयोग से एयरोस्पेस के छात्रों और स्नातकों को इंटर्न शप, अनुसंधान और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ.) सरकार द्वारा स्वदेशी एयरोस्पेस प्रौद्यो गकी वकास को बढ़ावा देने, एयरोस्पेस रोजगार बाजार को सुदृढ़ करने और भारत को एयरोस्पेस नवाचार और वनिर्माण में एक वैश्विक केन्द्र के रूप में स्था पत करने के लए क्या उपाय प्रस्ता वत हैं?

उत्तर

शक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार**)**

(क) से (ङ): राष्ट्रीय शक्षा नीति (एनईपी) **2020** के अनुरूप**,** भारतीय प्रौद्यो गकी संस्थान (आईआईटी)**,** राष्ट्रीय प्रौद्यो गकी संस्थान (एनआईटी)**,** भारतीय वज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बैंगलोर**,** भारतीय इंजीनियरिंग वज्ञान और प्रौद्यो गकी संस्थान

(आईआईईएसटी), शबपुर सहित कई संस्थानों ने अंतरिक्ष प्रौद्यो गकी, यूएवी प्रौद्यो गकी, बै लस्टिक्स, ट्रै कंग और ने वगेशन आदि में वशेषज्ञता प्रदान करने वाले अंतरिक्ष क्षेत्र में नए स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम शुरू करके अपने शैक्ष णक दायरे को व्यापक बनाया है। कुछ संस्थानों ने सम र्पत एयरोस्पेस व शष्ट वभाग भी खोले हैं। इसके अतिरिक्त, नागर वमानन मंत्रालय के तहत राजीव गांधी राष्ट्रीय वमानन वश्व वद्यालय (आरजीएनएयू) ने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय बी टेक कार्यक्रम भी आरंभ कया है।

शक्षा वदों की सहभा गता से तरल और ताप वज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान प्रयासों में वृद् ध करने के लए, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), अंतरिक्ष वभाग ने आईआईटी मद्रास में एक 'उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) - तरल एवं ताप वज्ञान में अनुसंधान' की स्थापना की है। आईआईटी मद्रास, आईआईटी रुड़की, आईआईटी कानपुर, आईआईटी बॉम्बे और आईआईएससी बैंगलोर सहित व भन्न संस्थानों में वात अंतरिक्ष क्षेत्र में उत्कृष्टता के वशेष केंद्र (सीओई) भी हैं। रक्षा अनुसंधान और वकास संगठन (डीआरडीओ) ने डीआरडीओ उद्योग अकाद मक उत्कृष्टता केंद्र, आईआईटी बॉम्बे (डीआईए-सीओई, आईआईटीबी), डीआरडीओ उद्योग अकाद मक उत्कृष्टता केंद्र, आईआईएससी बैंगलोर (डीआईए-आरसीओई, आईआईएससी) और डीआरडीओ उद्योग अकाद मक उत्कृष्टता केंद्र, आईआईटी हैदराबाद (डीआईए-सीओई, आईआईटीएच) सहित देश में 15 डीआरडीओ उद्योग अकाद मक केंद्रों की भी स्थापना की है।

वज्ञान और प्रौद्यो गकी वभाग के सहयोग से आईआईटी बॉम्बे में एक राष्ट्रीय वात अंतरिक्ष नवाचार और अनुसंधान केंद्र (एनसीएआईआर) की स्थापना की गई है। एनसीएआईआर शक्षा वदों, भारत सरकार और उद्योगों के बीच एक सहकार्यता है जो भारत में एक जीवंत वात अंतरिक्ष पारिस्थितिकी के वकास को प्रोत्साहन प्रदान करने के लए वात अंतरिक्ष क्षेत्र का एक भाग बनने की इच्छा रखते हैं। केंद्र वात अंतरिक्ष वनिर्माण क्षेत्र में नवीन अनुसंधान और वकास करने के लए डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट फेलो शप प्रदान करता है।

छात्र को उद्योगों के लए तैयार करने के लए, डीआरडीओ का वैमानिकी तकनीकी क्लस्टर एयरोस्पेस छात्रों और स्नातकों को अनुसंधान फैलो शप और शुल्क युक्त प्र शक्षुता कार्यक्रम जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से उन्नत रक्षा प्रौद्यो ग कयों पर कार्य करने का अवसर प्रदान करता है, जो स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को प्रमुख वशेषज्ञों के साथ उच्च प्रभाव वाले रक्षा अनुसंधान और वकास का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। एचएएल, इसरो और अन्य पीएसयू, डीपीएसयू भी सभी आईआईटी/एनआईटी और अन्य छात्रों को प्र शक्षुता के अवसर प्रदान कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, उद्योग, शक्षा वदों और इसरो के बीच सहकार्यता को बढ़ावा देने के लए एनआईटी अगरतला और एनआईटी जालंधर में अंतरिक्ष-प्रौद्यो गकी उद्भवन केंद्र (एस-टीआईसी) की स्थापना की गई है, जो भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ अनुकू लत अनुसंधान और वकास पहलों में सहायता करता है। एनआईटी जमशेदपुर ने इसरो, डीआरडीओ और एचएएल के साथ सहकार्यता की है और अहमदाबाद में स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी) के साथ भी समझौता ज्ञापन कया है।

परियोजना प्रैक्टिस 2025 और संकाय वकास कार्यक्रमों (एफडीपी) जैसी पहलों के माध्यम से अ खल भारतीय तकनीकी शक्षा परिषद (एआईसीटीई) एयरोस्पेस और ऊर्जा सहित उन्नत क्षेत्रों में छात्रों की व्यावहारिक, रोजगार सुलभ के लए तैयार क्षमताओं और कौशल को स्तरोन्नयित करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

*****